"<u>जूनियर स्तर आंतरिक सुरक्षा कोर्स (जेएलआईएससी) क्रं. सं.-186</u>"

(दिनांक 03 से 13 मार्च, 2021)

आंतरिक सुरक्षा अकादमी आंसुअ, माउंट आबू ने दिनांक 03 मार्च से 13 मार्च, 2021 तक जूनियर स्तर आंतरिक सुरक्षा पाठ्यक्रम (जेएलआईएसी) क्र. सं. -186 का आयोजन किया। पूरे देश से केरिपुबल तथा राज्य पुलिस संस्थानों से इस कोर्स में उप कमा. -05, सहा. कमा. -13, उप अधीक्षक पुलिस – 03, तेलंगाना पुलिस से 02, एवं राजस्थान पुलिस से 01, उप अधीक्षक सहित कुल 21 अधिकारियों ने भाग लिया।

इस कोर्स का उद्देश्य देश के वर्तमान आंतरिक सुरक्षा समस्याओं और रणनीतियों और रणनीति के बारे में चर्चा करने के लिए सशस्त्र बलों, राज्य पुलिस और प्रशासन के सहायक कमांडेंट / उप कमांडेंट स्तर के अधिकारियों, सशस्त्र बलों, राज्य पुलिस बलों और प्रशासन के समकक्ष अधिकारियों को एक साक्षा मंच प्रदान करना हैं ।

श्री नीलेश देसाई, निदेशक, एसएसी, ने कोर्स का उद्घाटन किया अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने कहा कि व्यावसायिकता कैसे कार्यस्थल की सफलता की ओर ले जाती है, उन्होंने एसएसी की एक संक्षिप्त प्रस्तुति भी दी, एवं डॉ. टी. शेखर, महानिरीक्षक/ प्राचार्य, सीटीसी, केरिपुबल, मुदखेड़, ने कोर्स का समापन किया एवं प्रतिभागियों को अपने संबोधन में, उन्होंने पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए बधाई दी तथा सभी प्रतिभागियों को कोर्स पूर्ण करने से संबंधित प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

इसके अलावा, निदेशक अकादमी के नेतृत्व में संकाय, जैसे विभिन्न प्रख्यात वक्ता श्री एस के सूद, पूर्व अतिरिक्त महानिदेशक, बीएसएफ, श्री कर्मा भूटिया, कमांडेंट, समूह केंद्र, सिलचर, केरिपुबल, श्री एच के आहूजा, कमांडेंट, तटरक्षक बल, डॉ. विक्रांत सिंह तोमर, निदेशक, यूएमएस इंडिया, डॉ. आनंद कुमार त्रिपाठी, निदेशक (आई/सी), स्कूल ऑफ लॉ, मानविकी और सामाजिक विज्ञान आरआरयू, गांधीनगर, डॉ. अक्षत मेहता, एसोसिएट प्रो. और एचओडी आरआरयू, श्री सुशांत सरीन, वरिष्ठ सदस्य, (ओआरएफ संकाय) कानूनी स्कूल, मानविकी और सामाजिक विज्ञान, आरआरयु, श्री गौरव सिंह घुरैया, उप कमा.(आसूचना) महानिदेशालय, केरिपुबल, श्री रमेश सिंह डांगी, उप कमा., 37 बटालियन, केरिपुबल, श्री प्रिंस भारद्वाज, सहा. कमा. (आसूचना) महानिदेशालय, केरिपुबल, श्री उगम दान चारण, जोनल निदेशक, एनसीबी, जोधपुर, प्रो. रेन्जिथ थॉमस, एनएलयू संकाय, प्रो. श्याम चंदेल, साइबर एक्सपर्ट, डॉ. बीके बिन्नी सरीन, प्रबंधक परामर्शदाता ने व्याख्यान दिया और प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया ।

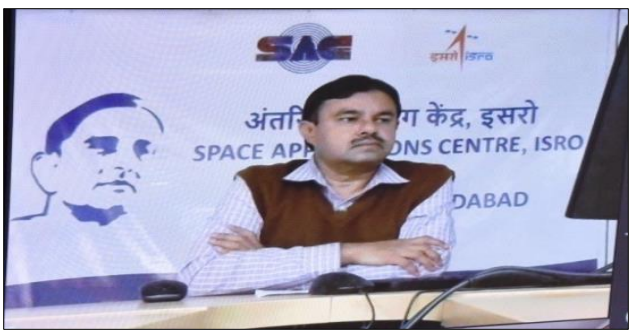

श्री नीलेश देसाई, निदेशक, एसएसी, द्वारा उद्घाटन किया गया ।

सामूहिक चित्र

श्री एस के सूद, पूर्व अतिरिक्त महानिदेशक, बीएसएफ, आंतरिक सत्र में अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद, सीमा पार आतंकवाद, आईएसआई की भूमिका और भारत में इसका प्रभाव पर व्याख्यान देते हुए।

श्री के. थोमस जोब, उप महानिरीक्षक (प्रशि.) आंसुअ, आंतरिक सत्र में वीआईपी सुरक्षा पर व्याख्यान देते हुए।

श्री कर्मा भूटिया, कमांडेंट, समूह केंद्र सिलचर, आंतरिक सत्र में उत्तर-पूर्वी राज्यों में उग्रवाद आंदोलन पर व्याख्यान देते हुए।

श्री एच के आहूजा, कमांडेंट, तटरक्षक बल, आंतरिक सत्र में भारत की तटीय और समुद्री सुरक्षा की चुनौतियाँ पर समकालीन दृष्टिकोण पर व्याख्यान देते हुए।

डॉ. विक्रांत सिंह तोमर, निदेशक, यूएमएस इंडिया, आंतरिक सत्र में प्रेरणादायक तकनीक और उच्च प्रदर्शन टीम गठन करने के बारे में व्याख्यान देते हुए।

श्री उगम दान चारण, जोनल निदेशक, एनसीबी, जोधपुर, आंतरिक सत्र में नार्को आतंकवाद पर व्याख्यान देते हुए।

प्रो. रेन्जिथ थॉमस, एनएलयू संकाय, आंतरिक सत्र में संघ का सशस्त्र बल, नागरिक अधिकारों कि रक्षा और आंतरिक सुरक्षा के रखरखाव में उनकी भूमिका पर व्याख्यान देते हुए।

प्रो. श्याम चंदेल, साइबर एक्सपर्ट, आंतरिक सत्र में साइबर अपराध और सोशल मीडिया पर नियंत्रण के विषय पर व्याख्यान देते हुए।

डॉ. बीके बिन्नी सरीन, प्रबंधक परामर्शदाता, आंतरिक सत्र में सामान्य और समग्र कल्याण पर व्याख्यान देती हुई ।

समापन समारोह श्री टी. शेखर, महानिरीक्षक/ प्राचार्य, सीटीसी, केरिपुबल, मुदखेड़, द्वारा किया गया

डॉ. आनंद कुमार त्रिपाठी, निदेशक (आई/सी), स्कूल ऑफ लॉ, मानविकी और सामाजिक विज्ञान आरआरयू, गांधीनगर, आंतरिक सत्र में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग शांति के समय और संघर्ष की परिस्थितियों में मानव अधिकारों पर व्याख्यान देते हुए।

डॉ. अक्षत मेहता, एसोसिएट प्रो. एवं एचओडी आरआरयू, आंतरिक सत्र में आंतरिक सुरक्षा की अवधारणा पर व्याख्यान देते हुए।

श्री सुशांत सरीन, सीनियर फेलो, (ओआरएफ फैकल्टी) स्कूल ऑफ लॉ, ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस आरआरयू, आंतरिक सत्र में काश्मीर : आंतरिक सुरक्षा चुनौतियां पर व्याख्यान देते हुए।

श्री गौरव सिंह गोरैया, उप कमा. (आसूचना) महानिदेशालय, आंतरिक सत्र में भारत में विध्वंसक संगठन, इंटेलीजेंस की भूमिका और आंतरिक सुरक्षा के रख-रखाव में काउंटर इंटेलिजेंस पर व्याख्यान देते हुए।

श्री रमेश सिंह डांगी, उप कमा.,37 बटालियन, केरिपुबल आंतरिक सत्र में बस्तर में वामपंथी उग्रवाद की चुनौतियों और परिचालन मामले की घटनाओं के संदर्भ पर व्याख्यान देते हुए।

श्री प्रिंस भारद्वाज, सहा. कमा. (आसूचना) महानिदेशालय, आंतरिक सत्र इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के साथ बातचीत, और मीडिया की योजना पर व्याख्यान देते हुए।